पूसा कृषि विज्ञान मेला-2023, आई.सी.ए.आर-आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली का तीसरे दिन की प्रेस विज्ञप्ति

तीन दिवसीय (02-04 मार्च, 2023) पूसा कृषि विज्ञान मेला आई.सी.ए.आर.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के विशाल परिसर में 'मोटे अनाजो' (श्री अन्नों) के माध्यम से पोषण, खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा' के विषय के साथ आयोजित किया गया। मेले के तीसरे दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री. दयाशंकर सिंह, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश किसान उत्पादक संगठन एसोसिएशन एवं सह-अध्यक्ष डॉ. नीरू भूषण, ए॰डी॰जी॰, आई॰पी॰एम॰ एवं टी॰एम॰, आई॰सी॰ए॰आर॰, नई दिल्ली ने किया। डॉ अशोक कुमार सिंह, निदेशक, आई॰सी॰ए॰आर॰-आई॰ए॰आर॰आई॰ ने सत्र के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष और पैनलिस्ट का स्वागत किया और पैनलिस्टों से किसानों के साथ स्टार्ट-अप के अपने अनुभव साझा करने का अनुरोध किया। श्री राहुल ढींगरा, सह-संस्थापक, F2DF, श्री अविनाश शुक्ला, संस्थापक, रामराज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और श्री सुधीर इंगले, निदेशक, महाराष्ट्र एफ॰पी॰सी॰, पुणे ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे किसान अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए एक मजबूत एफ॰पी॰ओ॰ बना सकते हैं।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. के. वी. प्रभु, पूर्व अध्यक्ष, पौधा किस्म और किसान अधिकार प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली, श्री बी॰ एस॰ चीमा, श्री कवल सिंह चौहान और श्रीमती सुषमा सिंह सत्र की विशेष आमंत्रित सदस्य थीं। डॉ अशोक कुमार सिंह, निदेशक, आई॰सी॰ए॰आर॰-आई॰ए॰आर॰आई॰ ने सत्र के अध्यक्ष और विशेष आमंत्रितों का स्वागत किया। पूसा कृषि विज्ञान मेला-2023 के फेलो और इनोवेटिव किसान पुरस्कार विजेताओं ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए नवीन विचारों और प्रौद्योगिकियों के बारे में अपने अनुभव साझा किए।

दोपहर 2 बजे मेले का समापन समारोह शुरू हुआ। श्री कैलाश चौधरी, राज्य कृषि मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। डॉ अशोक कुमार सिंह, निदेशक, आई॰सी॰ए॰आर॰-आई॰ए॰आर॰आई॰ ने मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। महिला किसानों सहित 6 अध्येता किसानों और 42 नवोन्मेषी किसानों को आई॰ए॰आर॰आई॰ इनोवेटिव फार्मर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

डॉ. अशोक कुमार सिंह, निदेशक, आई॰सी॰ए॰आर॰-आई॰ए॰आर॰आई॰ ने सभी पुरस्कृत किसानों को बधाई दी और देश में कृषि विकास और पोषण, खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, डेयर और महानिदेशक, आई॰सी॰ए॰आर॰ ने समापन भाषण दिया और पूसा संस्थान द्वारा सभी पुरस्कार विजेता किसानों को बधाई दी और कहा कि ये किसान हमारे लिए प्रेरणा हैं और उनसे अनुरोध किया कि वे अपने अनुभवो को साझा करें और मेले में उपस्थित साथी किसानों को प्रेरित करें। उन्होंने पोषण, खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ाने के लिए जलवायु अनुकूल फसल किस्मों और प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए किसानों और वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने देश में अच्छी गुणवत्ता और उच्च उपज वाली फसल की किस्में प्रदान करने के लिए पूसा

संस्थान की भूमिका की भी सराहना की और पूसा कृषि विज्ञान मेला-2023 की शानदार सफलता के लिए बधाई दी।

श्री कैलाश चौधरी, राज्य कृषि मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने पोषण सुरक्षा के लिए मोटे अनाजों की किस्मों के विकास के लिए काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपना धैर्य ना खोये और सरकार हमेशा उनके साथ है। उन्होंने कहा की सरकार और वैज्ञानिक नई तकनीकों के साथ समय-समय पर आपकी मदद करेंगे। उन्होंने नई और नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों, खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा की केंद्रीय भूमिका को दोहराया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों और फसल की किस्मों को किसानों तक बिना किसी समय अंतराल के पहुंचना चाहिए और किसानों का विश्वास जीतने के लिए किसानों के खेतों में इसका प्रदर्शन किया जाना चाहिए। श्री चौधरी ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, जैविक कृषि और पारंपरिक कृषि विकास योजना (परंपरागत कृषि विकास योजना) और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों के हाथों प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है जिससे लघु एवं सीमांत किसानों को लाभान्वित किया जा सके।

देश भर से बड़ी संख्या में किसानों ने पूसा कृषि विज्ञान मेला-2023 का भ्रमण किया और गेहूं, सरसों, मसूर, चना, सब्जियों, फूलों और फलों की फसलों की जलवायु अनुकूल किस्मों के लाइव प्रदर्शन से लाभान्वित हुए और एकीकृत खेती के सिस्टम मॉडल का उपयोगी और उन्नत ज्ञान भी प्राप्त किया। डॉ. अशोक कुमार सिंह, निदेशक, आई॰सी॰ए॰आर॰-आई॰ए॰आर॰आई॰ ने पूसा कृषि विज्ञान मेला-2023 की भव्य सफलता के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों और अन्य कर्मचारियों की सराहना की और मेले में भाग लेने पर किसानों की गहरी रुचि के लिए उनका विशेष धन्यवाद किया।

समापन समारोह के दौरान डॉ रवींद्र नाथ पडारिया, संयुक्त निदेशक (विस्तार), डॉ जे॰पी॰एस॰ डबास, प्रभारी, कैटैट, आई॰सी॰ए॰आर॰-आई॰ए॰आर॰आई॰ और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

इस मेगा कार्यक्रम का आयोजन आई॰सी॰ए॰आर॰-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा किया गया था। देश भर में आई॰सी॰ए॰आर॰ के कई संस्थानों ने भाग लिया और मोटे अनाजों (श्री अन्नों), किसान अनुकूल प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और उत्पादों पर विशेष प्रदर्शनियों का प्रदर्शन किया।

(स्रोत: मीडिया सेल, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली)